an>

Title: Need to formulate a policy to safeguard the interests of electronics and other micro small industries in the country.

श्रीमती नीलम सोनकर (लालगंज) : अध्यक्ष महोदया, मैं एक अति लोक महत्व के विषय को शून्य काल में उठाना चाहती हूं। दिल्ली से सटा नोएडा कभी इलेक्ट्रॉनिक्स, लघु और सूक्ष्म उद्योगों का हब कहलाता था। आज यह उद्योग अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। यहां के उद्यमी धीरे-धीरे पलायन कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण है कि जब से चीन और दक्षिण कोरिया ने बाजार पर एकछत्र कब्जा किया है, तब से भारतीय सूक्ष्म, लघु एवम् मध्यम इकाइयों में बने उत्पाद चीन और दक्षिण कोरिया के साथ प्रतिस्पर्धा से बाहर हो गए हैं। जिसके चलते यहां के उद्यमियों को अपनी औद्योगिक इकाइयों को बंद करके पलायन करना पड़ रहा है। इस कारण रोजगार के अवसर समाप्त हो रहे हैं और सरकार को भारी राजस्व की हानि भी हो रही है। यही औद्योगिक इकाइयां जो ग्रेटर नोएडा को विश्व स्तरीय पहचान दिलाती थीं, आज दम तोड़ती नजर आ रही हैं। जहां हम ग्रेटर नोएडा को सिंगापुर बनाने का ख्वाब देख रहे थे, लगता है कि प्रदेश सरकार की उदासीनता और औद्योगिक नीति के कारण यह ख्वाब ही बनकर न रह जाए। इसलिए मैं सदन के माध्यम से मंत्री जी से आग्रह करना चाहती हूं कि दिल्ली एनसीआर को विश्व स्तरीय शहर बनाने के लिए ध्यान दें और दम तोड़ रही भारतीय औद्योगिक इकाइयों को चीन और दक्षिण कोरिया से प्रतिस्पर्धा से बचाने की नीति तैयार करें, जिससे वहां के उद्यमियों का पलायन रोका जा सके। इससे लोगों को रोजगार का अवसर भी प्राप्त हो सकेगा।